वाक्य

वाक्य :- एक सार्थक पद-समूह, जो व्यवस्थित हो तथा जिससे वक्ता का आशय व्यक्त हो, वाक्य कहलाता है।

जैसे - राम ने रावण को मारा।

वाक्य के पक्ष :- वाक्य के दो पक्ष होते हैं :-

1. उद्देश्य 2. विधेय

1. **उद्देश्य** :- कर्ता और कर्ता का विस्तार उद्देश्य है।
2. **विधेय** :- उद्देश्य के विषय में जो कुछ कहा जाए उसे विधेय कहते हैं। विधेय में कर्म, कर्म का विस्तार, क्रिया आदि आते हैं। जैसे -

वीर हनुमान ने लंका में आग लगा दी।

वीर हनुमान - हनुमान कर्ता, वीर कर्ता का विस्तार - उद्देश्य है।

लंका में आग लगा दी - विधेय है।

चतुर जगदीश ने मोहन को अपना साथी चुना।

चतुर जगदीश - जगदीश कर्ता, चतुर कर्ता का विस्तार -उद्देश्य है।

मोहन को अपना साथी चुना – विधेय है।

रचना के आधार पर

रचना के आधार पर वाक्य तीन प्रकार के होते हैं:-

I. सरल (साधारण) वाक्य

II. संयुक्त वाक्य

III. मिश्र (मिश्रित) वाक्य

I. सरल वाक्य :- सरल वाक्य में एक उद्देश्य और एक विधेय होता है तथा इस वाक्य में एक कर्ता और एक मुख्य क्रिया होती है। जैसे –

1. लोग टोलियाँ बनाकर मैदान में घूम रहे थे।

2. भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हैं।

3. शिकारी ने अपनी बंदूक से शिकार किया।

VASUNDHARAHINDI.COM

II. संयुक्त वाक्य :- संयुक्त वाक्यों में दो या दो से अधिक उपवाक्य होते हैं, जो समुच्चयबोधक अव्यय शब्दों से जुड़े होते हैं।

मुख्य समुच्चयबोधक शब्द हैं :- और, तथा, किंतु, परंतु, इसलिए, अथवा, या, एवं, फिर भी, आदि

1. राम सुबह से शाम तक बाजार में घूमा, किंतु काम नहीं बना।
2. मैं हर रोज व्यायाम करता हूँ, फिर स्नान करता हूँ।
3. समय बहुत खराब है, इसलिए सोच समझ कर चलना चाहिए।
4. सुदेश बीमार है, इसलिए स्कूल नहीं जाएगा।

III. मिश्र (मिश्रित) वाक्य :- मिश्र वाक्य में एक प्रधान उपवाक्य होता है तथा शेष आश्रित उपवाक्य होते हैं। आश्रित उपवाक्य कि, जो, जिसका, जब-तब आदि से शुरू होते हैं।

उपवाक्य तीन प्रकार के होते हैं :-

1. **संज्ञा उपवाक्य :-** इस वाक्य में संज्ञा प्रधान होती है। इस प्रकार के वाक्य की पहचान होती है – ये "कि" योजक शब्द से जुड़े होते हैं। जैसे –

    1. सोहन जानता है कि मेहनत करने पर ही फल मिलेगा।
    2. माता की इच्छा है कि उसका पुत्र डाक्टर बने।
    3. पिता ने कहा कि आज वह दुकान नहीं जाएँगे।

2. **विशेषण उपवाक्य :-** जो आश्रित उपवाक्य प्रधान उपवाक्य की किसी संज्ञा या सर्वनाम की विशेषता बताते हैं, वे विशेषण उपवाक्य होते हैं। विशेषण आश्रित उपवाक्य जो, जिसका, जिसे, जिसने, जिसको आदि योजक शब्दों से जुड़े होते हैं। जैसे –

    1. यह वही लड़का है, जो कल दुकान पर खड़ा था।
    2. तुम वहीं चले जाओ, जहाँ से आए थे।
    3. ये वही लड़के हैं, जिन्होंने कक्षा में शोर मचाया था।

3. **क्रिया विशेषण उपवाक्य :-** जिस आश्रित उपवाक्य का प्रयोग क्रिया विशेषण की तरह होता है, उसे क्रिया विशेषण उपवाक्य कहते हैं। इन वाक्यों में दो योजक शब्द और दो क्रियाएँ होती हैं। जैसे -

    1. जब मैं घर पहुँचा, तब वर्षा रुक गई थी।

VASUNDHARAHINDI.COM

2. जिधर हम जाएँगे, उधर मोहन नहीं जाएगा।

3. बच्चे वैसा ही करते हैं, जैसा हम उन्हें सिखाते हैं।

वाक्य रूपांतरण

सरल वाक्य से संयुक्त वाक्य बनाना :

1. सरल वाक्य - सूर्योदय होने पर पक्षी चहकने लगे।

संयुक्त वाक्य - सूर्योदय हुआ और पक्षी चहकने लगे।

2. सरल वाक्य - वह सब्जी खरीदने बाजार गया।

संयुक्त वाक्य - वह बाजार गया तथा उसने सब्जी खरीदी।

3. सरल वाक्य - सुभाष बीमार होने के कारण आज स्कूल नहीं गया।

संयुक्त वाक्य - सुभाष बीमार था, इसलिए आज स्कूल नहीं गया।

4. सरल वाक्य - कठोर बनकर भी कमल हृदय बनो।

संयुक्त वाक्य - कठोर बनो, परंतु कोमल हृदय बनो।

5. सरल वाक्य - अपराधी होने के कारण उसे सजा मिली।

संयुक्त वाक्य - वह अपराधी था, इसलिए उसे सजा मिली।

सरल वाक्य से मिश्र वाक्य बनाना

1. सरल वाक्य - अमीर व्यक्ति हर चीज खरीद सकता है।

मिश्र वाक्य - जो व्यक्ति अमीर होता है, वह हर चीज खरीद सकता है।

2. सरल वाक्य - तुम बस रुकने के स्थान पर चले जाओ।

मिश्र वाक्य - तुम वहाँ चले जाओ, जहाँ बस रुकती है।

3. सरल वाक्य - सोने की चिड़िया कहलाने वाला यह वही भारत है।

मिश्र वाक्य - यह वही भारत है, जो सोने की चिड़िया कहलाता है।

4. सरल वाक्य - सच बोलने वाले व्यक्ति को कोई नहीं डरा सकता।

मिश्र वाक्य - जो व्यक्ति सच बोलता है, उसे कोई नहीं डरा सकता।

VASUNDHARAHINDI.COM

5. सरल वाक्य - लाल टोपी वाला व्यक्ति कहाँ है?

मिश्र वाक्य - जिसने लाल टोपी पहनी है, वह व्यक्ति कहाँ है?

संयुक्त वाक्य से सरल वाक्य बनाना

1. संयुक्त वाक्य - सोहन बाहर गया और मोहन सो गया।

सरल वाक्य - सोहन के बाहर जाते ही मोहन सो गया।

2. संयुक्त वाक्य – माँ ने मारा तथा बालक रो पड़ा।

सरल वाक्य – माँ के मारने से बालक रो पड़ा।

3. संयुक्त वाक्य - राधा गा रही है और नाच रही है।

सरल वाक्य - राधा गा नाच रही है।

4. संयुक्त वाक्य - राम ने परिश्रम किया, परंतु उसे पूर्ण लाभ नहीं मिला।

सरल वाक्य - राम को परिश्रम का पूर्ण लाभ नहीं मिला।

5. संयुक्त वाक्य - मोहन बाजार गया, परंतु फल नहीं लाया।

सरल वाक्य - मोहन बाजार जाकर फल नहीं लाया।

मिश्र वाक्य से सरल वाक्य बनाना

1. मिश्र वाक्य - जब मैं घर पहुँचा, तब पिताजी आए।

सरल वाक्य - मेरे घर पहुँचते ही पिताजी आए।

2. मिश्र वाक्य - माँ ने कहा कि राम परिश्रमी है।

सरल वाक्य – माँ ने राम को परिश्रमी कहा।

3. मिश्र वाक्य - जब वह स्कूल पहुँचा, घंटी बज चुकी थी।

सरल वाक्य - उसके स्कूल पहुँचने पर घंटी बज चुकी थी।

4. मिश्र वाक्य - जब वर्षा होगी, तब फसल अच्छी होगी।

सरल वाक्य - वर्षा होने पर फसल अच्छी होगी।

5. मिश्र वाक्य - यह वही बच्चा है, जिसे कुत्ते ने काटा था।

सरल वाक्य - इसी बच्चे को कुत्ते ने काटा था।

VASUNDHARAHINDI.COM

मिले-जुले वाक्यों का रूपांतरण

1. आप खाना खा कर आराम करें। (संयुक्त वाक्य में बदलो)

आप खाना खाएँ और आराम करें।

2. मैंने एक दुबला पतला व्यक्ति देखा। (मिश्र वाक्य में बदलो)

मैंने एक व्यक्ति देखा, जो दुबला पतला था।

3. यदि वह झूठ न बोलता, तो उसे सजा न मिलती। (सरल वाक्य में बदलो)

झूठ न बोलने पर उसे सजा नहीं मिलती।

4. वह मुझे कहता है कि घर जाओ। (सरल वाक्य में बदलो)

उसने मुझे घर जाने के लिए कहा।

5. राधा इसलिए स्कूल नहीं गई, क्योंकि वह बीमार है। (संयुक्त वाक्य में बदलो)

राधा बीमार है, इसलिए स्कूल नहीं गई।

6. नीता ने कहानी सुनाई और नवीन रो पड़ा। (मिश्र वाक्य में बदलो)

जब नीता ने कहानी सुनाई, तब नवीन रो पड़ा।

7. रोगी ने जैसे ही दवा खाई, वो ठीक हो गया। (सरल वाक्य में बदलो)

रोगी दवाई खाते ही ठीक हो गया।

8. क्योंकि वो कम रोशनी में पढ़ता है, इसलिए उसकी आँखें कमजोर हैं। (सरल वाक्य में बदलो)

कम रोशनी में पढ़ने के कारण उसकी आँखें कमजोर हैं।

*****

VASUNDHARAHINDI.COM